मौजी कॉलोनी के आवासीय भूखंड पर बने कार शोरूम का भू-उपयोग बदलने पर क्यों आमादा है जेडीए अफसर?

उपनिदेशक विधि नंदगोपाल गोयल ने लोकायुक्त और कोर्ट केस लंबित होने के कारण प्लॉट नंबर 49-50 का भू-उपयोग बदलने से साफ मना कर दिया था, लेकिन जब दुबारा फाइल पहुंची तो टिप्पणी बदलकर हां कर दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मालवीय नगर की आवासीय ''मौजी कॉलोनी'' में बनी कार शोरूम की अवैध बिल्डिंग पर जेडीए के अफसरों की मेहरबानी थमने का नाम नहीं ले रही है। आवासीय भूखंड़ 49-50 पर पर बने इस शोरूम पर कार्रवाई करने के बजाय अब अधिकारी इस प्लॉट का भू-उपयोग बदलने के लिए अपनी ही टिप्पणियों को गलत ठहराने से नहीं चूक रहे। यह कारनामा उपनिदेशक विधि नंदगोपाल गोयल ने किया है। उन्होंने पहले तो मामला लोकायुक्त और कोर्ट में लंबित बताकर भू-उपयोग बदलने से साफ मना कर दिया था, लेकिन जब दुबारा फाइल उनके पास पहुंची तो उन्होंने अपनी टिप्पणी ही बदल दी।

उधर इस मामले की राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायत करने वाले स्थानीय निवासी डॉ. राजीव पाटनी को जेडीए ने जवाब भेजकर यह तो स्वीकारा है कि मामला लोकायुक्त और विभिन्न कोर्ट में पैंडिंग है, लेकिन आवासीय प्लॉट का भू-उपयोग बदलने के सवाल का जवाब गोलमोल करते हुए कहा कि नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना के मुताबिक कार्रवाई कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो उपनिदेशक विधि की राय बदलने के बाद अवैध निर्माणकर्ता ने जेडीए को सुझाव दिया है कि पहले अवैध निर्माण का भू-उपयोग बदलकर मिश्रित कर दिया जाये, उसके बाद वह जेडीए पर किया हुआ केस वापस ले लेगा।

मजेदार तथ्य यह है कि जेडीए के उप निदेशक विधि नंदगोपाल गोयल ने इस सुझाव को मान भी लिया। उन्होंने पहले मालवीय नगर मौजी कालोनी में भूखंड संख्या 49-50 के आवासीय इलाके में जारी आवासीय पट्टे के बाद भू-उपयोग नहीं बदलने की टिप्पणी कर दी। उन्होंने अपनी टिप्पणी में लिखा था कि यह मामला लोकायुक्त में विचाराधीन है, विभिन्न न्यायालयों में केस चल रहे हैं। गुलाब कोठारी की स्वेप्रेरित याचिका के तहत स्टे के कारण भू-उपयोग नहीं बदला जा सकता। इसके बाद जब भूखंड मालिक, जेडीए आयुक्त और सचिव के पास पहुंचा तो इन दोनों अधिकारियों ने फाइल को दुबारा से उप निदेशक विधि नंदगोपाल गोयल के पास भेजी। जिस पर उन्होंने नगरीय विकास विभाग, स्वायतत्तशासन विभागों के परिपत्रों का हवाला देते, भूखंड मालिक के कोर्ट से स्टे हटाने के सुझाव के बाद इस अवैध निर्माण किए गए भूखंड को नियमित करने का सुझाव जेडीए को मानने को कहा। साथ में भू-उपयोग बदलने से जेडीए को होने वाली आमदनी के बारे में बताया।

मजेदार बात है कि जेडीए भी मान रहा है भूखंड मालिक ने अवैध निर्माण तो किया है, लेकिन उसे अवैध निर्माण करने पर धारा 31 और 32 में नोटिस दिए हैं। कार्रवाई से बचने के लिए भूखंड मालिक जेडीए ट्रिब्यूनल से स्टे लाने की बजाय सिविल कोर्ट से स्टे ले आया। स्थानीय निवासी डॉ. राजीव पाटनी की आपत्ति के बाद जब जेडीए के जोन-1 का जेईएन मौका निरीक्षण करने गया था। उसने अपनी टिप्पणी में साफ लिखा है कि यह इलाका आवासीय है। भूखंड मालिक ने जमीन पर बेसमेंट, ग्राउंड व फर्स्ट फ्लोर पर शोरुम बना रखा है, जिसमें हुंडई का शोरुम बना कर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है।

दूसरी तरफ अवैध निर्माणकर्ता ने जेडीए को सुझाव दिया है कि अगर जेडीए उसके भूखंड़ 49-50 का भू-उपयोग आवासीय से बदलकर मिश्रित कर दे तो वह जेडीए पर किया हुआ केस वापस ले लेगा। ताज्जुब की बात यह है कि जेडीए के अफसरों ने भी अपनी टिप्पणी में भू-उपयोग बदलने से जेडीए को राजस्व फायदा होने की बात कहते हुए अवैध निर्माणकर्ता का प्रस्ताव मान लिया

प्रताप नगर में 5 साल की मासूम बच्ची से पड़ौसी ने किया दुष्कर्म

खून से सनी हालत में रोती हुए बच्ची घर पहुंची तो परिजनों के होश उड़े

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में आमेर के बाद अब प्रताप नगर में 5 साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म की वारदात सामने आयी है। 15 साल के किशोर ने पडौस में रहने वाली से दरिंदगी की और फरार हो गया। खून से सनी हालत में बच्ची रोते हुए घर पहुंची और मां को दरिंदगी की घटना बताई। इस हैवानियत की खबर सुनकर हर किसी की रूह कांप गई। फिलहाल बच्ची डॉक्टर्स की देखरेख में है, उसका इलाज जारी है लेकिर वह गहरे दर्द में है। हालात ये है कि वह मां के आंचल से उतरने तक को तैयार नहीं है, उसका इलाज जारी है। बात-बात में मासूम रोती है, मां कभी खिलौने तो कभी टॉफी देकर उसे चुप कराने की कोशिश करती है। कुछ देर चुप रहने के बाद वह फिर से रोने लगती है, साथ में मां के आसू भी छलक आते है।

प्रताप नगर पुलिस ने बताया कि पांच साल की मासूम बच्ची रविवार दोपहर अपने घर के पास ही खेल रही थी। जिस जगह बच्ची का घर वहां पर बस्ती बनी हुई है। पास ही पंद्रह साल का एक किशोर रहता है जो पडौसी का बेटा है। मासूम बच्ची दोपहर में अपने घर के पास खेल रही थी, उस दौरान बच्ची को टॉफी देने का लालच देकर आरोपी अपने साथ ले गया। उस समय परिवार के अन्य लोग वहां नहीं थे । उसके बाद बच्ची से रेप करने के बाद वहां से फरार हो गया। बच्ची चीखी चिल्लाई तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया और फिर गंदा काम किया। बच्ची को उसके घर के पास ही छोड़कर वह भाग छूटा।

खून से सनी हालत में रोती हुई बच्ची जब मां के पास पहुंची तो हडकंप मच गया। मां अपनी मासूम बेटी की हालत देखकर जड़ हो गई। बच्ची उसके गले जा लिपटी। बाद में जब उसने पडौसी भैया की पूरी हैवानियत के बारे में बताया तो मां भी आंसू नहीं रोक सकी। पुलिस को तुरंत जानकारी दी गई। पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश कर उसे निरूद्ध कर लिया है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही जयपुर के आमेर थाना इलाके में रहने वाली नौ साल की एक बच्ची का रेप करने के बाद 16 साल के आरोपी ने चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी थी। उसके बाद पुलिस को गुमराह करने के कोशिश उसने की थी, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया था।

टॉफी दिलाने की बात कहकर बच्ची को घर से लेकर गया था किशोर, पुलिस टीम ने उसे निरुद्ध किया

बेटियों ने दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में बाजी मारी

राज्य का परिणाम 82.89 फीसदी रहा, नागौर जिला प्रथम आया

शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला ने सोमवार को शिक्षा संकुल में दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी किया।

जयपुर (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं के परिणाम में भी इस बार बालिकाओं ने बाजी मारी। शिक्षा मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला ने सोमवार को शिक्षा संकुल से परीक्षा का परिणाम जारी किया। इस बार बोर्ड परीक्षा का परिणाम 82.89 प्रतिशत रहा। जिसमे छात्राओं का परिणाम 84.38 प्रतिशत और छात्रों का परिणाम 81.62 प्रतिशत रहा। 10 वीं बोर्ड परीक्षा के लिए इस बार 10 लाख 92 हजार 524 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 10 लाख 59 हजार 72 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा देने वालों में से 877848 विद्यार्थी पास हुए। परिणाम को लेकर शिक्षा मंत्री बी.डी.कल्ला ने बताया कि सीनियर सेकेंडरी के परिणाम की तरह सेकेंडरी के परिणाम में छात्राओं का परिणाम छात्रों के मुकाबले 2.76 प्रतिशत अधिक रहा है।

इसी तरह प्रवेशिका परीक्षा का परिणाम 62.49 प्रतिशत रहा। प्रवेशिका परीक्षा के लिए इस बार 7229 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। 6918 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे जिनमे से 4323 विद्यार्थी पास हुए। प्रवेशिका परीक्षा में भी छात्राओं का परिणाम 66.45 प्रतिशत और छात्रों का परिणाम 58.52 प्रतिशत रहा।

10 वीं बोर्ड परीक्षा के लिए जयपुर जिले से 1 लाख 10 हजार 596 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1 लाख 8 हजार 842 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इनमें से 94364 विद्यार्थी यानी 86.70 फीसदी विद्यार्थी पास हुए। जयपुर में छात्राओं का परिणाम 88.64 और छात्रों का परिणाम 85.01 प्रतिशत रहा। जबकि इस बार नागौर जिला प्रथम स्थान पर रहा। नागौर जिले का परीक्षा परिणाम 91.44 प्रतिशत रहा। जिसके बाद दूसरे नम्बर पर सीकर का परिणाम 91.36 प्रतिशत, तीसरे नम्बर पर झुंझुनूं का 91.29 प्रतिशत रहा।

नौनिहालों ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में रचा इतिहास

अस्मिता को 97.67 प्रतिशत अंक मिले

जयपुर (कासं)। 10वीं बोर्ड परीक्षा में

अस्मिता चौधरी ने 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माता-पिता और गुरूजनों का नाम रोशन किया है। अस्मिता को हिंदी, विज्ञान, गणित और संस्कृत में 98-98, अंग्रेजी में 95 और सामाजिक विज्ञान में 99 अंक मिले हैं। सांगानेर की राहुल शिक्षण संस्थान उच्च माध्यमिक स्कूल की छात्रा अस्मिता ने अपनी सफलता का श्रेय पिता रामेश्वर प्रसाद चौधरी और सावित्री चौधरी को दिया है। वह आगे पढ़ाई पूरी करके सिविल सर्विसेज़ की तैयारी करना चाहती है।

नितेश को 97.50 प्रतिशत अंक मिले

जयपुर (कासं)। राजस्थान बोर्ड की 10वीं परीक्षा में

छात्र नितेश जैन ने 600 में से 585 अंक (97.50 प्रतिशत) प्राप्त कर जयपुर का नाम रोशन किया है। नितेश को हिंदी व अंग्रेजी में 97-97, विज्ञान में 98, सामाजिक विज्ञान में 96, गणित में 100 और संस्कृत में 96 अंक मिले हैं। नितेश ने अपनी सफलता का श्रेय पापा मनोज कुमार जैन और मां रेणू जैन और स्कूल के टीचर्स को दिया है। उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर झोटवाड़ा का छात्र नीतेश अपनी पढ़ाई पूरी करके प्रशासनिक सेवा में जाना चाहता है।

कामना वैष्णव को 96 फीसदी अंक

जयपुर (कासं)। राजस्थान बोर्ड की

10वीं परीक्षा में छात्रा कामना वैष्णव को 96.17 अंक मिले है। आदर्श विद्या मंदिर गर्ल्स उच्च माध्यमिक स्कूल जय जवान कॉलोनी की छात्रा कामना को 600 में से 577 अंक प्राप्त मिले हैं। उसे हिंदी में 98, अंग्रेजी में 97, विज्ञान में 94, सामाजिक विज्ञान में 100, गणित में 89 और संस्कृत में 99 अंक मिले हैं। कामना ने अपनी सफलता का श्रेय पापा कमलेश वैष्णव और मां कांता वैष्णव और अध्यापकों को दिया है।

शिरीन परवीन को 95 प्रतिशत अंक

जयपुर । दरबारपब्लिक सीनियर

सैकेंडरी स्कूल निवारू रोड झोटवाड़ा में अध्ययन कर रही छात्रा शिरीन परवीन को 10वीं बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक मिले हैं। शिरीन को हिंदी में 83, अंग्रेजी में 94, विज्ञान में 95, सामाजिक विज्ञान और गणित में 100-100 और उर्दू में 98 अंक मिले है। छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने नियमित अध्ययन, अपने पिता मो. मोईनुद्दीन और मां शाहीना परवीन के साथ स्कूल के निदेशक छोटू खान मुजाहिद और प्रधानचार्य गिरधारी सिंह तंवर को दिया है।

कृष्णा बजाज को 94 अंक प्राप्त हुए

जयपुर (कासं)। 10वीं बोर्ड परीक्षा में

छात्रा कृष्णा बजाज को 600 में से 565 अंक (94.17 प्रतिशत) मिले हैं। उसे हिंदी में 97, अंग्रेजी में 98, विज्ञान में 94, सामाजिक विज्ञान में 89, गणित में 95 और संस्कृत में 98 अंक मिले हैं। कृष्णा ने अपनी सफलता का श्रेय उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर अंबाबाड़ी के अध्यापकों और पिता संजय कुमार बजाज व मां नीतू बजाज को दिया है।

संस्कृत में मिले भीम प्रकाश को 100 अंक

जयपुर (कासं)। 10वीं बोर्ड परीक्षा में

जयपुर के भीम प्रकाश नारोलिया को संस्कृत विषय में 100 में से 100 अंक मिले हैं। उसे हिंदी में 90 तथा विज्ञान व गणित में 96-96 और अंग्रेजी व सामाजिक विज्ञान में 97-97 अंक मिले है। भीम प्रकाश ने अपनी सफलता का श्रेय पिता सूरज नारायण वर्मा और मां अनिता वर्मा के साथ-साथ राहुल शिक्षण संस्थान सी.सै.स्कूल के अध्यापकों को दिया है।

दिव्यांशु टाटा को मिले सामाजिक विज्ञान व गणित में 100 अंक

जयपुर । दिव्यांशु टाटा ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में गणित और सामाजिक विज्ञान में 100-100 अंक प्राप्त किये हैं। जबकि संस्कृत में 99, विज्ञान में 92, अंग्रेजी में 90 और हिंदी में 85 अंक पाये। दिव्यांशु को परीक्षा में 94.33 प्रतिशत अंक मिले है। उसने सफलता का श्रेय पिता बनवारीलाल टाटा, मां ललिता देवी को दिया।

पुनीत को मिले 94 प्रतिशत अंक

जयपुर (कासं)। 10वीं कक्षा की

बोर्ड परीक्षा में राहुल शिक्षण संस्थान सांगानेर के छात्र पुनीत कुमार बैरवा ने 94 प्रतिशत अंक हासिल किये है। उसे हिंदी में 95, अंग्रेजी में 90, विज्ञान में 92, सामाजिक विज्ञान में 91 और गणित व संस्कृत में 98-98 अंक मिले हैं। पुनीत ने सफलता का श्रेय पिता बबलू बैरवा और मां पुष्पा देवी के साथ-साथ स्कूल के अध्यापकों को दिये हैं।

सार-समाचार

आरएनसी रजिस्ट्रार का स्वागत किया

जयपुर । राजस्थान प्राइवेट नर्सिंग स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज फैडरेशन व प्राइवेट फिजिओथैरेपी, नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल इस्टीट्यूशन्स सोसाइटी ऑफ़ जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में फैडरेशन के पदाधिकारियों की ओर से राजस्थान नर्सिंग कौंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. शशिकान्त शर्मा का 51 किलो की माला पहनाकर अभिनन्दन किया। राजस्थान प्राइवेट नर्सिंग स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज फैडरेशन के उपाध्यक्ष विमल मीणा और प्राइवेट फिजिओथैरेपी, नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल इस्टीट्यूशन्स सोसाइटी ऑफ़ जयपुर के सचिव दिलीप तिवाड़ी ने बताया की नर्सिंग कौंसिल के अंतर्गत वर्तमान में परीक्षाएं व पंजीयन सम्बन्धी सभी कार्य ऑनलाइन सम्पादित किये जा रहे हैं। इससे प्रदेश की नर्सेज एवं छात्र-छात्रों को काफी राहत मिली है। वहीं समय से काम हो रहा है। उन्होंने बताया की कौंसिल में पहली बार परीक्षाएं समय पर होने के साथ ही परिणाम भी समय पर निकले जा रहे हैं। साथ ही विद्यार्थी सेवा केंद्र के शुरू होने से भी लोगों को बहुत फायदा हुआ हैं । इस अवसर पर फैडरेशन के पदाधिकारी डॉ. आजम बेग, हरीश राजानी, कमल पाहुजा, सुमन रावत, राजेंद्र चौधरी, डॉ. प्रमोद पाल, राजू दाधीच, मामराज धारीवाल व अन्य पदाधिकरी उपस्थित रहें।

चिकित्सा मंत्री से मिले नर्सेज पदाधिकारी

जयपुर । राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति ने नर्सिंग भर्ती 2018 में झालावाड़ में नवचयनित 106 नर्सिंग ऑफिसर का बकाया 8 महीने का वेतन व निदेशालय जयपुर जोन सहित अन्य जिलों के फिक्सेशन के कार्य कई दिनो से नही होने की समस्या को लेकर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल से मुलाकात की। इसके बाद चिकित्सा विभाग के शासन सचिव डॉ पृथ्वी राज से मुलाकात कर निदेशालय में नर्सिंग ऑफिसर के कार्य समय पर पूर्ण करने के लिए की मांग रखी। इस दौरान अध्यक्ष सोमसिंह मीणा, प्रदेश संयोजक मनोज दूब्बी अन्य नर्सेज मौजूद रहे।

सुपर लग्जरी बसों का किराया 200 रु. बढ़ा

जयपुर (कासं)। गर्मियों की छुट्टियों में राजस्थान रोडवेज ने जयपुर-दिल्ली मार्ग पर चलने वाली सुपर लग्जरी बसों के किराए में 200 रुपए की बढ़ोतरी की है। अब प्रति व्यक्ति किराया 700 से बढ़ाकर 900 रुपए किया गया है। किराए की नई दर एक जुलाई से लागू होगी। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर, 2020 से इस मार्ग पर किराए में 200 रुपए की छूट दी थी। इससे पहले भी किराया 900 रुपए ही था। गौरतलब है कि कम यात्री भार के चलते कुछ समय पहले रोडवेज ने किराए में 200 रुपए की छूट दी थी। जिसके चलते किराया 900 की जगह 700 रुपए हो गया था। इससे यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया था, लेकिन अब फिर से किराया बढ़ा दिया है।

अपहरण कर 60 लाख रु. फिरौती मांगी

जयपुर । करधनी इलाके में एक युवक का अपहरण कर मारपीट के बाद 60 लाख रूपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस के अनुसार मोहरू नगर निवासी नंदनी कंवर ने रिपोर्ट दी है कि 10 जून की सुबह उसका पति सत्यपाल सिंह चौहान वैध जी का चौराहा स्थित एसबीआई गए थे। शाम 4 बजे दो घंटे में घर आने का व्हाट्सअप मैसेज आया। इसके बाद पति का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। बाद में पता चला कि अक्षय शर्मा ने पति सत्यपाल का अपहरण किया है और अपने पास बिठा रखा है। इस पर अक्षय शर्मा को कॉल किया, जिसने पति से बात करवाई। अक्षय शर्मा ने उसे छोड़ने के लिए 60 लाख रूपए मांगे। थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि सत्यपाल और अक्षय के बीच आपसी लेन देन है। दोनों प्रॉपर्टी व्यवसाय करते हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि अक्षय सत्यपाल से 25 लाख रूपए मांगता है। वहीं पीड़ित सत्यपाल ने आरोप लगाया है कि उससे मारपीट कर 60 लाख रूपए के स्टाम्प पर साइन करवाए गए हैं।

50 हजार की घूस लेते जेईएन गिरफ्तार

जयपुर । एसीबी ने सोमवार को शिक्षा संकुल में समग्र शिक्षा अभियान में तैनात जेईएन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी 5 लाख रुपए के बकाया बिलों और डिफेक्ट लाईबिलिटी के भुगतान की एवज में 1 लाख 28 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। आरोपी पूर्व में भी पीड़ित से 26 हजार रुपए रिश्ववत के ले चुका था। आज 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए आरोपी को शिक्षा संकुल में गिरफ्तार किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर एसीबी मुख्यालय ले जाया गया। जहां एसीबी पूछताछ में जुटी है कि वह रिश्वत की रकम किसे-किसे देने वाला था। एसीबी के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी ज्ञानप्रकाश शुक्ला पुत्र अतरलाल के निवास प्लॉट नं0 4, शान्ति नगर, 132 केवी जीएसएस, पुराने घाट के सामने गोनेर रोड में भी एसीबी की टीम के द्वारा सर्च किया जा रहा है। परिवार के लोगों से सम्पत्ति का ब्यॉरा भी लिया जाएगा। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि जब पीड़ित एसीबी मुख्यालय पहुंचा तो उसने बताया कि आरोपी जेईएन उसे परेशान कर रहा है। आए दिन फोन पर धमकी देता और पैसा मंगवाता। कई बार उसे पैसा पहले भी दिया जा चुका है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी गिरावट

राज्य में सोमवार को 66 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 77 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी गिरावट आई है। इस दौरान राज्य में 66 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें करीब आधे मरीज जयपुर जिले में मिले हैं। उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में केवल 33 ही मरीज ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 543 हो गए हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ा-बहुत उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते राज्य में सोमवार को 14 जिलों में 66 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 77 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 10 मामले कम आने के साथ ही 30 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 10, अजमेर, दौसा व उदयपुर में 4-4, नागौर में 3, अलवर, गंगानगर व हनुमानगढ़ में 2-2 तथा बारां, चूरू, झालावाड़, जोधपुर और सवाईमाधोपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 19 जिले बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में सोमवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में आधी रिकवरी हुई है। इस दौरान 6 जिलों में 33 संक्रमित ही ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 543 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 277 मामले जयपुर में है। प्रदेश में सोमवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई। हालांकि, राज्य में अब तक इस बीमारी से 9559 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 15 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं।

इसके अलावा मानसरोवर में 4, जगतपुरा, जवाहर नगर और वैशाली नगर में 3-3, बनीपार्क और बापू नगर में 2-2 तथा सी-स्कीम, दुर्गापुरा, गांधी नगर, झोटवाड़ा, निर्माण नगर, सांगानेर, शास्त्री नगर और सोडाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

जिले में पिछले चौबीस घंटों में 23 रोगी ठीक हुए हैं।

राजधानी जयपुर में 30 नए मरीज मिले, इनमें सबसे ज्यादा 5 संक्रमित मालवीय नगर में सामने आए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों के मुकाबले आधी रिकवरी होने से एक्टिव केस बढ़कर 543 हो गए हैं।

ऑनर किलिंग मामले में एडिशनल एसपी से कराए जांच : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बूंदी के तालेडा थाना इलाके में ऑनर किलिंग से जुड़े मामले में बूंदी एसपी को निर्देश दिए हैं कि वह मामले में सीआरपीसी की धारा 173 की उपधारा आठ के तहत लंबित जांच एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारी से कराए। इसके साथ ही अदालत ने मामले की जांच साठ दिन में पूरी करने को कहा है।

जस्टिस फरजंद अली की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश प्रकरण के आरोपी भीमा सैनी व गोलू की जमानत याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिए। जमानत याचिका में कहा गया कि 23 सितंबर 2021 को मृतक आजाद के पिता रामदेव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक दिन पहले उसके बेटे की जंजीरों से बंधी लाश पानी में मिली है।

याचिका में कहा गया कि एफआईआर में याचिकाकर्ताओं के नाम नहीं है। इसके अलावा कोई प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य भी नहीं है। जिससे यह साबित हो कि उन्होंने उसकी हत्या की है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए एएजी ने कहा कि भीमा की बहन जिया के आजाद से प्रेम विवाह करने को लेकर परिजन राजी नहीं थे। इसके चलते आजाद की हत्या की गई है। ऐसे में ऑनर किलिंग के मामले को देखते हुए आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए।

इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश देते हुए जमानत याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है।

राज्यसभा सांसद किरोड़ी मीणा ने किया सेबी दफ्तर पर कूच

सेंट्रल पार्क पर 1 घंटे प्रदर्शन के बाद सेबी अफसरों को ज्ञापन दिया

राज्य सभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को बस्सी से जयपुर पहुंचे सहारा इंडिया परिवार के जमाकर्ता और अपने समर्थकों को सेंट्रल पार्क पर प्रदर्शन के दौरान संबोधित किया।

जयपुर । राज्य सभा सांसद डॉ किरोड़ी लाल मीना ने सोमवार को सहारा इंडिया परिवार के जमाकर्ता और अपने समर्थकों के साथ बस्सी से जयपुर के सेबी दफ्तर की ओर कूच किया। सैकड़ों वाहनों के साथ डॉ मीना ट्रेक्टर पर सवार होकर जयपुर की ओर कूच किया। डॉ मीना के क़ाफ़िले को सेंट्रल पार्क के पास पुलिस बल ने रोका। क़रीब एक घंटे धरने के बाद सेबी कार्यालय में प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन सौंपा। जिस पर सेबी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या का हल कर दिया जाएगा। सहारा इंडिया परिवार और सेबी प्रकरण के जल्द निपटारे को लेकर कूच किया गया था जिससे सहारा इंडिया परिवार के कार्यकर्ता एवं जमाकर्ता का भुगतान हो सके।

डॉ. मीणा ने कहा कि सहारा में वर्षों से क़रीब 12 लाख कर्मचारियों द्वारा कार्य किया जा रहा है। विगत 9 वर्षों को छोड़ दिया जाए तो पिछले 37 वर्षों में सहारा प्रबंधन ने सभी निवेशको एवं जमा कर्ताओं का भुगतान बिल्कुल समय पर किया हैं। सहारा में कार्य करते हुए कार्यकर्ता अपने घरों में ही रहकर अच्छी खासी आय प्राप्त करते हुए अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं परंतु जैसा संज्ञान में आया कि विगत 9 वर्षों में से सहारा सेबी के विवाद के तहत उच्चतम न्यायालय द्वारा सहारा समूह पर एम्बार्गो लगाते हुए यह आदेश दिया गया कि सहारा के द्वारा किसी भी संपत्ति को बेच कर या बंधक रखकर जो धनराशि प्राप्त होगी। उसे सहारा सेबी रिफंड अकाउंट में जमा कराना अनिवार्य होगा। परंतु उक्त धनराशि से सहारा अन्य खर्च अथवा अपने सम्मानित निवेशकों को 1 रुपये का भुगतान नहीं कर सकती। मीणा ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते हम जहां जहां भी जाते हैं यहां घर पर रहते हैं तो कई निवेशक एवं कार्यकर्ता समूह मुझसे मिलने आते हैं एवं पीड़ा सुनाते हैं।